पाठ – 8

मेरा नया बचपन

2VY61F

– श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान

बचपन की मधुर यादें हर उम्र में व्यक्ति को पुलकित और रोमांचित करती हैं। घर के बच्चों की शरारतों और बाल सुलभ क्रीड़ाओं से मन बरबस ही स्वयं के बचपन की मधुर स्मृतियों में खो जाता है। इस कविता में भी सुमद्रा कुमारी चौहान ने अपने बचपन की यादों को प्रस्तुत किया है जो उन्हें अपनी बेटी की गतिविधियों को देख कर याद आई हैं ऊँच–नीच और छलकपट रहित बचपन की उन्हें याद बार–बार आती है।

बार–बार आती है मुझको मधुर याद, बचपन तेरी।
गया, ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी ।।
चिंता रहित खेलना, खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद ।।
ऊँच–नीच का ज्ञान नहीं था, छुआछूत किसने जानी ?
बनी हुई थी अहा, झोंपड़ी और चीथड़ों में रानी ।।
किए दूध के कुल्ले मैंने, चूस अँगूठा सुधा पिया।
किलकारी कल्लोल मचाकर, सूना घर आबाद किया ।।

रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिखाते थे।
बड़े–बड़े मोती–से आँसू, जयमाला पहनाते थे।
मैं रोई, माँ काम छोड़कर आई, मुझको उठा लिया।
झाड़–पोंछकर, चूम–चूम, गीले गालों को सुखा दिया ।।
आ जा बचपन ! एक बार फिर दे–दे अपनी निर्मल शांति।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली, अपनी वह प्राकृत विश्रांति ।।

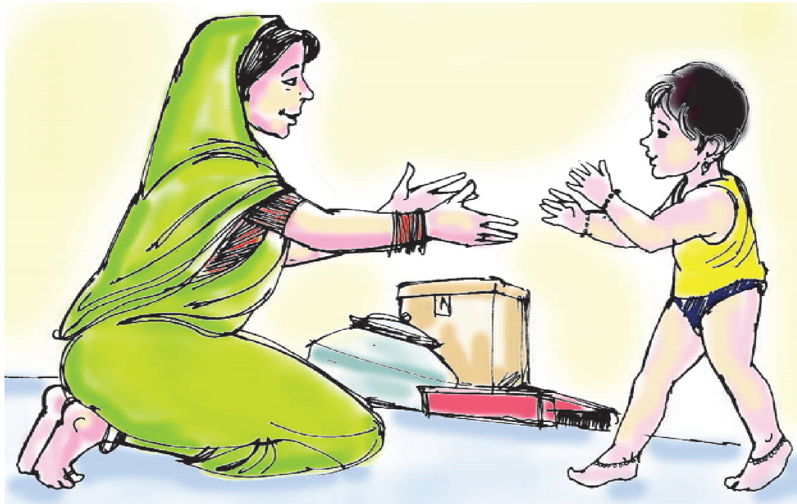

वह भोली–सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप ।
क्या फिर आकर मिटा सकेगा, तू मेरे मन का संताप ?
मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी ।
नंदन वन–सी गूँज उठी, वह छोटी–सी कुटिया मेरी ।।
'माँ ओ' कहकर बुला रही थी, मिट्टी खाकर आई थी ।
कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में, मुझे खिलाने आई थी ।।
पुलक रहे थे अंग, दृगों में कौतूहल था छलक रहा ।
मुँह पर थी आह्लाद–लालिमा, विजय गर्व था झलक रहा ।।
मैंने पूछा "यह क्या लाई ?" बोल उठी वह, "माँ काओ ।"
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से, मैंने कहा–"तुम्हीं खाओ ।"
पाया मैंने बचपन फिर से, बचपन बेटी बन आया ।
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर मुझमें नवजीवन आया ।।
मैं भी उसके साथ खेलती–खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं मैं भी बच्ची बन जाती हूँ ।।
जिसे खोजती थी बरसों से, अब जाकर उसको पाया ।
भाग गया था मुझे छोड़कर, वह बचपन फिर से आया ।।

शब्दार्थ :– **निर्भर** – निडर, **स्वच्छंद** – जो दूसरे के नियंत्रण में न रहे, स्वतंत्र, **अतुलित** – जिसकी तुलना न किया जा सकें, **कल्लोल** – आमोद–प्रमोद, क्रीड़ा, **किलकारी** – बच्चे की हर्ष ध्वनि, **व्याकुल** – विकल, बहुत घबराया हुआ, **विश्रांति** – आराम, **निष्पाप** – पाप रहित, **संताप** – जलन, दुःख, ग्लानि, **समृद्धि** – एश्वर्य, बहुत अधिक सम्पन्नता, **मनीषी** –ज्ञानी, विद्वान।

अभ्यास

पाठ से

1. इस कविता का शीर्षक 'मेरा नया बचपन' से क्या अभिप्राय है?
2. कवयित्री अपनी बेटी के साथ किस प्रकार बच्ची बन जाती है?
3. बेटी क्या खा कर आई थी और वह अपनी माँ से क्या कह रही थीं?
4. कवयित्री अपने बचपन का सुखद अनुभव कब करती है?

5. माँ किस उम्र की बात हमेशा दोहराती है?
6. बचपन की स्वच्छंदता, पाठ की किन पंक्तियों में अभिव्यक्त की गई है?
7. 'मंजूल मूर्ति देखकर, मुझमें नवजीवन आया' के द्वारा कवयित्री क्या कहना चाहती है?
8. बच्ची को मिट्‌टी खाते देखकर माँ नाराज क्यों नहीं होती है?
9. बचपन में हम किन चीजों से खेलना पसंद करते हैं?
10. ऊँच–नीच का ....'चीथड़ों में रानी' इन पंक्तियों के माध्यम से कवयित्री बचपन की किन बातों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट कर रही हैं।

पाठ से आगे

2H8233

1. छोटे बच्चों का घर में होना हमारे मन में कौन–कौन से भाव जागृत करता है। साथियों से चर्चा कर लिखिए।
2. कविता में हमने नन्हीं बिटिया और उसकी माँ के प्यार भरे संबंधों को जाना है। आप अपनी माँ के बारे में कैसा महसूस करते हैं? लिखिये।
3. कवयित्री कविता में बेटी के बचपन का उल्लेख करती है। हमारे आस–पास बेटियाँ का बचपन कैसा होता है? बेटों की तरह या उससे अलग। साथियों से चर्चा कर लिखिए।
4. आपको जीवन की कौन–सी अवस्था (बाल्यावस्था/युवावस्था/वृद्धावस्था) अच्छी लगती है और क्यों? सतर्क उत्तर दीजिए।
5. बचपन में हम किन–किन चीजों से खेलना पसंद करते हैं? साथियों से चर्चा कर लिखिए।
6. अक्सर बचपन में अधिकांश बच्चों की भाषा तोतली होती है। संभवतः आपकी भाषा भी वैसी रही होगी। अपने माता–पिता से इस बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए और इसे कक्षा में साथियों के साथ साझा कीजिए।
7. आम तौर पर बच्चे किसी चीज को बिना जाने समझे मुँह में डाल लेते हैं। संभवतः आपने भी ऐसा किया होगा यदि स्वयं आपको अपनी ऐसी कोई स्मृति हो तो लिखिए अथवा अपने माता–पिता से इस बारे में पूछकर लिखिए।
8. हम किसी छोटे बच्चे को देखकर स्वयं भी बचपन को पुनः जीना चाहते हैं। आपको क्या लगता है, इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?
9. जैसा कि इस कविता का शीर्षक 'मेरा नया बचपन' है आप अपने अभिभावकों से इस बारे में बात कीजिए कि उन्हें अपने नये बचपन का एहसास कब और कैसे हुआ?

भाषा से

38LAIM

1. 'जय' शब्द में 'वि' जोड़कर 'विजय' शब्द बना है। वे शब्दांश जो किसी के पहले जुड़कर नया अर्थ प्रदान करते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं, जैसे – वि+मल = विमल इसी तरह दिए गए शब्दों के पहले 'वि' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए– नम्र, **शेष, देह, सर्ग, तान, कल, जय।**
2. विराम का अर्थ होता है–विश्राम या ठहराव। जब हम अपने भावों को बोलने या लिखने में प्रयोग करते हैं तो कुछ ठहरते है। इसी ठहराव को लिखते समय हम विराम चिन्हों के द्वारा प्रकट करते हैं।

   अल्प विराम (,), प्रश्न वाचक (?), निर्देशक चिह्न (–), उद्धरण या अवतरण ('' ''), पूर्ण विराम (।), विराम चिह्नों सबसे ज्यादा प्रयुक्त होने वाले चिन्ह हैं –

   मैने पूछा, ''यह क्या लाई?'' बोल उठी वह ''माँ काओ।''
   हुआ प्रफुल्लित ह्रदय खुशी से, मैंने कहा– ''तुम्ही खाओं।''
   (इस प्रकार कविता में आए विराम चिह्नों को पहचानकर लिखिए।)

3. कविता की इन पंक्तियों को देखिए –

क. बड़े–बड़े मोती से आंसू।

ख. वह भोली सी मधुर सरलता।

ग. नंदन वन सी गूंज उठी वह।

इन पंक्तियों में सहज ही एक वस्तु की तुलना दूसरे से की गई है। काव्य में सुंदरता लाने के लिए इस तरह की युक्तियां प्रयोग में लाई जाती हैं। जब काव्य में किसी एक वस्तु की तुलना किसी दूसरी वस्तु से की जाती है तो उसे उपमा अलंकार कहते है। यह तुलना रूप, रंग, गुण, आकार के आधार पर की जाती है।

उपमा अलंकार में जिसका वर्णन किया जाता है या जिसको उपमा दी जाती है उसे उपमेय तथा जिस वस्तु से तुलना की जाए उसे उपमान कहते हैं।

सागर सा गंभीर हृदय हो।
गिरि सा ऊँचा हो जिसका मन।
यहाँ पर सागर और गिरि उपमान तथा हृदय तथा मन उपमेय है।

उपमा अलंकार के कुछ अन्य उदाहरण अपनी पाठ्यपुस्तक से खोज कर लिखिए।

4. '' मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी'' कविता की इस पंक्ति में 'ब वर्ण की आवृति बार–बार हुई है। जिससे इस पंक्ति को पढ़ने में लयात्मकता का बोध होता है। इसका कारण अनुप्रास अलंकार का होना है। जब किसी वर्ण की आवृति बार–बार होती है। तो वहां अनुप्रास अलंकार होता है जिससे भाषा का सौदर्य बढ़ जाता है और उसमें लयात्मकता का गुण आ जाता है।

उदाहरण – चंदा चमके चम–चम चीखे चौकन्ना चोर।
चींटी चाटे चीनी चटोरी चीनी खोर।।

5. आप भी इस तरह के अन्य गीतों अथवा कविताओं की पंक्तियों को ढूँढकर लिखिए और उन्हें कक्षा में लय के साथ पढ़िए।

6. बचपन की अपनी कोई स्मृति जिसे याद कर आज भी आपको बहुत मजा आता है, के संबंध में एक अनुच्छेद लिखिए।

7. कविता में मधुर याद, प्यारा जीवन निस्पाप आदि विशेषण युक्त शब्दों का प्रयोग हुआ है। 'मधुर शब्द याद (क्रिया) की विशेषता बता रहा है। इसी प्रकार 'प्यारा' और 'निष्पाप' शब्द जीवन की विशेषता बता रहें है।

इस प्रकार किसी संज्ञा, क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं एवं वे शब्द जिसकी विशेषता बताते हैं, वे 'विशेष्य कहलाते हैं। कविता में प्रयुक्त विशेषण एवं विशेष्य को पहचानिए एवं निम्न सारणी में लिखिए।

विशेषण	विशेष्य
....	....

योग्यता विस्तार

1. भगवान श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं संबंधी पद को शिक्षक की मदद से पुस्तकालय से ढूँढकर लिखिए और उसमें वर्णित भाव पर चर्चा कीजिए।
2. बच्चों अथवा बचपन पर आधारित गानों को ढूँढकर सुनिए एवं उसमें निहित भाव को लिखिए।
3. कार्टून सीरियल 'डोरेमॉन' में सिनचैन और उसकी माँ के बीच किस तरह की नोक झोंक (बात–चीत) होती है? उसे लिखिए।

38V6KA